आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 14.08.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली के पीपलकोटी में सुरंग हादसे का स्थलीय निरीक्षण किया। राहत और बचाव अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने निजी विश्वविद्यालयों से शोध, नवाचार और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।
- कांवड़ मेला संपन्न होने के बाद हरिद्वार जिला प्रशासन की ओर से कूड़े–कचरे के निस्तारण के लिए वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।
- **और,** मौसम विभाग ने आज से अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में तेज बारिश की चेतावनी दी है। सभी जिलों को आवश्यक सावधानियां और तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश।

सुरंग हादसा

चमोली जिले के पीपलकोटी क्षेत्र में टीएचडीसी की निर्माणाधीन सुरंग में मलबा और पानी भरने से वहां फंसे करीब 22 लोगों में से 19 को बाहर निकाला गया है। शेष अन्य लोगों को निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान जारी है। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस तथा अन्य तकनीकी और विशेषज्ञ टीमें राहत और बचाव अभियान में जुटी हैं। हादसे में घायल लोगों का जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर में उपचार किया जा रहा है। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने सुरंग के अंदर जाकर राहत व बचाव कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल लोगों का हालचाल भी जाना। मुख्यमंत्री ने सुरंग में फंसे शेष तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बचाव अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने निजी विश्वविद्यालयों से शोध, नवाचार और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा पर विशेष देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को डिग्री देना नहीं बल्कि उन्हें रोजगार, उद्योग, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए सक्षम बनाना होना चाहिए। राज्यपाल ने लोक भवन में उत्तराखंड के स्व–वित्तपोषित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ दूसरे चरण की बैठक की। बैठक में 14 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग किया। बैठक में अनुसंधान को बढ़ावा देने, पेटेंट संस्कृति विकसित करने, पेटेंट के व्यावसायीकरण, उद्योग–अकादमिक सहयोग, साझा शोध व्यवस्था और विश्वविद्यालयों के बीच समन्वय बढ़ाने पर चर्चा हुई।राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को नई शिक्षा नीति–2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने विश्वविद्यालयों से युवाओं को नशे जैसी चुनौतियों से दूर रखने के साथ सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने पर भी ध्यान देने को कहा।

ई–केवाईसी

देहरादून जिले में गैस कंपनियों और पूर्ति विभाग की ओर से घरेलू गैस उपभोक्ताओं को 15 अगस्त तक ई–केवाईसी कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। तय समय सीमा तक ई–केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को भविष्य में गैस

सिलेंडर की आपूर्ति में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जिला पूर्ति अधिकारी के.के अग्रवाल ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 15 अगस्त से पहले ई–केवाईसी जरूर करा लें।

ई–केवाईसी का उद्देश्य घरेलू गैस कनेक्शनों का आधार आधारित सत्यापन करने के साथ फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शनों की पहचान करना औऱ गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाना है।

कांवड़ मेला/सफाई

कांवड़ मेला संपन्न होने के बाद हरिद्वार जिला प्रशासन की ओर से कांवड़ मेला क्षेत्र, गंगा घाटों और अन्य प्रमुख स्थानों पर फैले कूड़े–कचरे के निस्तारण के लिए वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संबंधित विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए सफाई अभियान के दौरान लगभग 30 टन से अधिक कूड़ा एकत्रित किया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत ने बताया कि कांवड़ मेले के बाद फैली गंदगी को साफ करने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

मौसम

मौसम विभाग ने आज से अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में तेज बारिश की चेतावनी दी है। मौसम पूर्वानुमान और चेतावनी के दृष्टिगत राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने सभी जिलों को पत्र जारी कर आवश्यक सावधानियां व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विशेष रूप से भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना वाले क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। आपदा प्रबंधन व पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने सभी जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों को मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी आपदा की स्थिति में राहत व बचाव कार्यों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने आमजन से मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम की स्थिति की जानकारी लेते रहने की अपील भी की।

मुलाकात

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न समसामयिक और राजनीतिक विषयों पर चर्चा हुई। श्री महाराज ने पार्टी अध्यक्ष को उत्तराखंड में सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी और विकास कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

गड्ढामुक्त सड़के

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के बाद प्रदेश में सड़कों को गड्ढामुक्त करने की कवायद तेज हो गई है। इसके जिलों में कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। देहरादून के जिलाधिकारी डॉ आशीष चौहान ने कहा कि जहां गड्ढों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है। वहीं मानसून का दौर खत्म होते ही सड़कों की मरम्मत के काम तेजी से किए जाएंगे।